भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-4184

उत्तर देने की तारीख-01/04/2026

आंध्र प्रदेश में पढाई बीच में छोड़ने की दर

4184 **श्री येरेम वेंकट सुब्बा रेड्डी:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मई 2024 तक आंध्र प्रदेश में सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों की संख्या 87.42 लाख थी;

(ख) क्या यह संख्या घटकर 69.42 लाख हो गई है;

(ग) क्या यह भी सच है कि मई 2024 तक आंध्र प्रदेश में सरकारी स्कूलों में लगभग 42 लाख छात्र थे, जो अब घटकर 33.80 लाख हो गए हैं;

(घ) क्या मई 2024 से दिसंबर 2025 के बीच लगभग 8 लाख छात्रों ने पढाई बीच में छोड़ दी; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार इस समस्या को दूर करने और आंध्र प्रदेश के स्कूलों में अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठा रही है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ङ): यूडाइज़+ (शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 (अनंतिम) हेतु आंध्र प्रदेश में पूर्व-प्राथमिक से कक्षा XII के विद्यार्थियों का नामांकन निम्नानुसार है –

वर्ष	सरकारी स्कूल	निजी स्कूल	कुल (सरकारी स्कूल + निजी स्कूल)
2024-25	3643083	4701905	8344988
2025-26 (अनंतिम)	3493449	4834999	8328448

भारत सरकार स्कूल शिक्षा क्षेत्र के लिए समग्र शिक्षा नामक एक व्यापक कार्यक्रम कार्यान्वित कर रही है, जो पूर्व-प्राथमिक से लेकर कक्षा बारहवीं तक के शिक्षा क्षेत्र को कवर करता है। समग्र शिक्षा का उद्देश्य देशभर में स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। स्कूल अवसंरचना में सुधार, सर्वसुलभ पहुंच, लैंगिक समानता लाने, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल पहलों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को सुदृढ़ करने, व्यावसायिक शिक्षा, निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत

पात्रता आदि के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। समग्र शिक्षा के अंतर्गत कुछ प्रमुख हस्तक्षेप निम्नलिखित हैं:-

क) सरकारी स्कूलों को और अधिक आकर्षक बनाए जाने हेतु कक्षाओं, मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता सुरक्षित तथा स्वच्छ वातावरण सहित स्कूल अवसंरचना का उन्नयन और उसमें सुधार करना।
ख) स्कूल यूनिफार्म और पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए सहायता
ग) समग्र नामांकन में वृद्धि के लिए बच्चों को कम उम्र से ही औपचारिक स्कूल शिक्षा प्रणाली में शामिल होने में सहायता करने हेतु सरकारी स्कूलों में पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं को सहायता प्रदान करना।
घ) स्कूल से बाहर के बच्चों (ओओएससी) की पहचान करना और उनकी शिक्षा को उनकी आयु अनुरूप कक्षा में जारी रखने के लिए सहायता प्रदान करना।
ङ) सरकारी स्कूलों के आधुनिकीकरण के लिए स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल बोर्ड, आईसीटी लैब और आभासी कक्षाओं के लिए सहायता।
च) स्कूल तक पहुँच प्रदान करने के लिए परिवहन सुविधाओं हेतु सहायता।
छ) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए अतिरिक्त सहायता।
ज) सीमांत/कमज़ोर वर्गों के लिए सुरक्षित आवासीय/विद्यालय सुविधाओं में उच्चतर कक्षाओं तक अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) और नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों (एनएससीबीएवी) को सहायता प्रदान करना।
झ) पीएम-जनमन (प्रधानमंत्री जनजाती आदिवासी न्याय महा अभियान) के तहत पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों) के लिए छात्रावासों का निर्माण और असंतृप्त एसटी जनसंख्या के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के तहत छात्रावासों का निर्माण।
ञ) शिक्षक शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़ करने के लिए सहायता।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन को बढ़ाने के लिए नामांकन अभियान, घर-घर जाकर प्रचार, सामुदायिक एकजुटता आदि अभियान चलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

भारत सरकार नामांकन, प्रतिधारण और उपस्थिति में वृद्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में पौष्टिक पका हुआ गर्म भोजन उपलब्ध कराने के लिए पीएम पोषण योजना (मध्याह्न भोजन) भी कार्यान्वित कर रही है।

आंध्र प्रदेश की राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया है कि लगातार तीन दिन से अधिक समय तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को एसएमएस अलर्ट भेजे जाते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि कोई विद्यार्थी एक सप्ताह से अधिक समय तक अनुपस्थित रहता है तो उन मामलों में ग्राम पंचायत स्तर पर संबंधित कल्याण और शिक्षा अधिकारी विद्यार्थी के घर जाकर उसकी अनुपस्थिति के कारणों का पता लगाते हैं और स्कूल में उनकी पुनः उपस्थिति सुनिश्चित करते हैं।

*****